(f) what are the details of steps Government have taken to solve the problems of peaking shortage in U.P. and the decline in hydel-thermal mix ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU) : (a) Based on the power demand projections as per 14th Electric Power Survey, the peaking shortage of power in Uttar Pradesh by the year 1996-97 is anticipated as 2471 MW (29.9%).

(b) and (c) The hydro power potential of the Northern Region has been estimated as 30155 MW at 60% load factor. The schemes in operation in Northern Region utilise 13.65% of the potential. The sanctioned and on-going schemes would further utilise a potential of 7.15%.

(d) and (e) From 1962-63, there has been a continuous decline in the hydro-thermal mix and the present ratio is approximately 26.6 : 73.4.

(f) The steps taken to solve the problem of peaking shortage in Uttar Pradesh include maximization of generation from existing units, implementation of R&M programme, effective load management and energy conservation measures; assistance from neighbouring States and the system. To reverse the declining trend of hydro development, Ministry of Power and Central Electricity Authority closely monitor the progress of various activities of projects under execution. Projects involving minimal impact on environment and forest are being identified. Detailed plans for catchment area treatment, compensatory afforestation and rehabilitation are being formulated to enable speedy clearance from environmental and forest angle. To bring^additionality of resources, greater private participation is being encouraged to enable higher development of hydel potential in the country.

केन्द्रीय विद्युत् एककों से राज्यों को विद्युत्

4522. **श्री अजीत जोगी :** क्या विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश सरकार ने केन्द्रीय सरकार से राज्यों को उनकी आवश्यकता और जनसंख्या के आधार पर केन्द्रीय विद्युत् एककों से विद्युत् उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है;

(ग) केन्द्रीय सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है; और

(घ) राज्य की लम्बित परियोजनाओं को कब तक स्वीकृति दे दी जायेगी ?

विद्युत् मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैय्या नायडू) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न उत्पन्न नहीं होते ।

(घ) मध्य प्रदेश में सार्वजनिक क्षेत्र में ताप विद्युत् परियोजना स्थापित करने के लिए चार और निजी क्षेत्र में ताप विद्युत् परियोजनाएं स्थापित करने के लिए दो प्रस्ताव केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति से लिए प्राप्त हुए हैं, जिनका ब्यौरा विवरण में दिया गया है । (सीधे देखिए) कियान्वयन एजेंसियों द्वारा सभी आवश्यक स्वीकृतियां/निवेश सुनिश्चित किए जाने के बाद ही, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा लंबित पड़ी परियोजनाओं पर तकनीकी-आर्थिक स्वीकृति हेतु विचार किया जा सकता था ।

विवरण

सी०ई०ए० की तकनीकी आर्थिक स्वीकृति के लिए प्राप्त मध्य प्रदेश की नई ताप विद्युत परियोजना

क्रम सं० परियोजना का नाम/क्षमता (मे० वा०)	प्राप्त करने की तारीख	अनुमानित लागत करोड़ रुपए	क्रियान्वयन एजेंसी	वर्तमान स्थिति
(क) सार्वजनिक क्षेत्र				
1. रायगढ़ ता०वि०के० . . . —जिला रायगढ़ —2X 500	26-3-1992	2181.61	एमपीईबी	के० वि० प्रा० में जांचाधीन

क्र० सं०	परियोजना का नाम/क्षमता (मे०वा०)	प्राप्त करने की तारीख	अनुमानित लागत करोड रुपए	क्रियान्वयन एजेंसी	वर्तमान स्थिति
2.	संजय गांधी ता० वि० के० एक्सटेंशन —जिला बिरसिंहपुर —1×500	17-11-92	623.00	एमपीईबी	– के०वि०प्रा० में आधीन
3.	कोरबा (वेस्ट) ता० वि० के० —जिला बिलासपुर —1×500	26-8-93	1717.45	एमपीईबी	– तदैव–
4.	ग्वालियर सीसीजीटी स्टे० —जिला ग्वालियर —200	2-7-93	816.17	एमपीईबी	– तदैव–
(ख) निजी क्षेत्र					
1.	पेंच ता० वि० के० —जिला चिंदवाडा —2×210	जुलाई, 92	1272.23 (आईडीसी को छोड़कर)	मैसर्स सैन्चुरी पावर	16-11-93 को मूल्यांकन किया गया और तकनीकी पहलुओं से स्वीकार्य पाई गई ।
2.	कोरबा वेस्ट यूनिट 5 और 6 —2×210	19-4-93	1609.45	मैसर्स भारत ताप विद्युत् लि०	के० वि० प्रा० की स्वीकृति सिद्धांत रूप में 4-1-93 को प्रदान कर दी गई थी ।

Power Project in Gujarat

4523. SHRI GOPALSINH G. SOLANKI :

SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL:

Will the Minister of POWER be pleased to state :

(a) whether a number of proposals are pending with the Union Government for the Development of Thermal, Tidal, Hydro 2nd Wind Projects in Gujarat during 1993-94;

(b) if so, the details thereof ;

(c) the funds allocated in this regard during the above period projectwise ; and

(d) the time by which these projects are likely to be completed in each location ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU) : (a) and (b) The State Government of Gujarat has submitted the following proposals for thermal power projects for accord of techno-economic clearance of the Central Electricity Authority (CEA).

SI.	No.	Name of Project	Capacity(MW)	Date of submission of proposal to CEA
1.		Gandhi Nagar TPS Extn.	1 x210=210 1	29-3-93 15-4-1993
2.		Wanakbori TPS Extn. Unit-7	X210=210	23-7-1993 (Original)
3.		Lignite Based TPS at Akrimota	2x210=420	6-12-1993 (Revised)
4.		Lignite Based TPS at Ghoga	2x120=240	20-8-1993
5.		Mangrol (Lignite) TPS Hazira	250	November, 1992 9-2-
6.		GTCC	500	1994